Printed Pages – 4

IN-04

B.A. (Part-I) Examination, 2020

हिन्दी साहित्य

Paper - I

(प्राचीन हिन्दी काव्य)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 75

Minimum Pass Marks : 25

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प हैं।

Q. 1. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **3×7=21**

(क) भगति भजन हरि नांव है, दूजा दुक्ख अपार।
मनसा वाचा कर्मना, कबीर सुमिरन सार।।
कबीर सुमिरन सार है, और सकल जंजाल।
आदि अंत सब सोधिया, दूजा देखौं काल।।

अथवा

नागमती चितउर पथ हेरा। पिउ जो गए पुनि कीन्ह न फेरा।।
नागर नारि काहु बस परा। तेइ मोर पिउ मोसौं हरा।।
सुआ काल होइ लेइगा पिऊ। पिउ नहिं लेत लेत बरु जीऊ।।
भएउ नरायन बावन करा। राज करत राजा बलि छरा।।

(ख) लंका निसिचर निकर निवासा। इहाँ कहाँ सज्जन कर बासा।।
मन महुँ तरक करै कपि लागा। तेही समय विभीषनु जागा।।
राम राम तेहि सुमिरन कीन्हा। हृदय हरष कपि सज्जन चीन्हा।।
एहि सन हठि करिहऊँ पहिचानी। साधु ते होइ न कारज हानी।।

अथवा

हम तो नन्दघोष की बासी।
नाम गोपाल, जाति कुल गोपहि, गोप-गोपाल-उपासी।।
गिरिवरधारी, गोधनचारी, वृन्दावन अभिलाषी।
राजा नंद, जसोदा रानी, जलधि नदी जमुना सी।।
प्रान हमारे परम मनोहर, कमल नयन सुखरासी।
सूरदास प्रभु कहौं कहाँ लौं अष्ट महासिधि दासी।।

(ग) घन आनंद जीवन मूल सुजान की, कौधन हूँ न कहूँ दरसैं।
सुन जानियै धौं कित छाय रहै, दृग चातक प्रान तपे तरसैं।
बिन पावस तौं इन ध्यावस हो न, सु क्यौं करि यौं अब
सो परसैं।
बदरा बरसैं रितु पै घिरिकै, नित ही अखियाँ उघरी बरसैं।।

अथवा

मेरा मन सुमिरै राम कूँ, मेरा मन रामहि आहि।
अब मन रामहि ह्वै रहा, सीस नवावौं काहि।।
तूँ तूँ करता तूँ भया, मुझ में रही न हूँ।
वारी फेरी बलि गई, जित देखौं तित तूँ।।

Q. 2. 'कबीर अपने युग के सच्चे प्रतिनिधि थे।' कथन की समीक्षा कीजिए। **12**

अथवा

जायसी के काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

Q. 3. सूरदास के वात्सल्य वर्णन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए। **12**

अथवा

घनानंद की प्रेम-व्यंजना की विस्तार से विवेचना कीजिए।

Q. 4. किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए : **3×5=15**

(i) रहीम का साहित्यिक परिचय।

(ii) रसखान की काव्य भाषा

(iii) विद्यापति का सौन्दर्य वर्णन

(iv) हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन

(v) रहीम की काव्य भाषा

Q. 5. निम्नलिखित के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : **15×1=15**

(i) कबीर के गुरु कौन थे ?

(ii) 'प्रेम वाटिका' किसकी रचना है ?

(iii) 'बीजक' किसकी रचना है ?

(iv) सूर ने किस भाषा में काव्य सृजन किया।

(v) 'रामचरित मानस' के रचनाकार कौन हैं ?

(vi) किस राजा ने विद्यापति को 'अभिनव जयदेव' की उपाधि दी थी ?

(vii) तुलसीदास किस शाखा के कवि हैं ?

(viii) जायसी ने किस भाषा में 'पद्मावत' की रचना की ?

(ix) रत्नसेन कहाँ का राजा था ?

(x) 'रास पंचाध्यायी' किसकी रचना है ?

(xi) तुलसीदास की पत्नी का नाम लिखिए ?

(xii) सूरदास के गुरु कौन थे ?

(xiii) सूरदास की सर्वश्रेष्ठ रचना का नाम लिखिए।

(xiv) कबीर दास और धर्मदास का आपस में क्या सम्बन्ध है ?

(xv) तुलसीदास का जन्म स्थान बताइए।